

प्र० - ५ (सांधि)  
कहा - छठी (हिंदी व्याकरण से)

प्र०१ सांधि किसे कहते हैं? इसके कितने शब्द होते हैं? प्रत्येक के नाम लिखिए।

उ० दो द्व्यनियों के पास-पास होने पर, उनके मैल से जो विकार अथवा परिवर्तन होता है, उसे सांधि कहते हैं। सांधि के तीन शब्द होते हैं।

१० स्वर सांधि  
२० व्यंजन सांधि  
३० विसर्ग सांधि

प्र०२ स्वर सांधि किसे कहते हैं?

उ० दो स्वरों के मैल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे स्वर सांधि कहते हैं। जैसे-विद्या+आलय = विद्यालय, औषध + आलम = औषधालय आदि।

प्र०३ व्यंजन सांधि किसे कहते हैं?

उ० व्यंजन के साथ व्यंजन अथवा स्वर के मैल से जो विकार होता है, उसे व्यंजन सांधि कहते हैं। जैसे शरत् + चंद्र = श्रारतचंद्र आदि।

प्र०४ विसर्ग सांधि किसे कहते हैं?

उ० विसर्ग के साथ स्वर या व्यंजन के मैल के मैल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे विसर्ग सांधि कहते हैं। जैसे-निः + चंय, धनु + टंकार = धनुषट्कार आदि।

पाठ - दृष्टि  
कक्षा - दृष्टि  
हिंदी व्याकरण

- प्र०१ समास किसे कहते हैं? इसके कितने भैंड हैं?  
प्रत्येक के दो-दो उदाहरण दीजिए।
- उ० अनेक शब्दों से मिलकर जब रुक पढ़ बन जाता है तो वह समास कहलाता है।  
इसके भैंड हैं।
1. तत्पुरुष समास :- (i) सुख को प्राप्त = सुख प्राप्त  
(ii) ग्राम को गत = ग्रामगत
2. कर्मधारय समास :- (i) नीला है जो गगन = नीलगगन  
(ii) धन जैसा श्याम = धनश्याम
3. द्वितीय समास :- (i) सौत दी हों का समूह  
= सतसई (ii) चार मासों का समूह = चौमासा
4. द्वितीय समास :- (i) अन और जल = अन्नजल  
(ii) माता और पिता = माता-पिता
5. अत्यवीभाव समास - (i) पेट भरकर = भरपेट  
(ii) जेन्म भर = आजन्म
6. बहुब्रीहि समास - : नीला है कंठ जिसका (शिव)  
= नीलकंठ (ii) चार भुजाओं वाला (बिष्णु) चतुर्भुज

$$पा० = 7$$

हिन्दी कक्षा = ८<sup>व</sup>

व्याकरण

प्र० १ प्रत्यय किसे कहते हैं ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।  
 ३० जो शब्दांश किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।  
 जैसे - मनुष्य से मनुष्यता आदि।

प्र० २ उपसर्ग व प्रत्यय में क्या अंतर है ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

३० जो शब्दांश किसी शब्द के प्रारंभ में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं। अ से अब से-जैसे - अर्णान अब गुण आदि।

जबकि प्रत्यय शब्दांश के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं वह प्रत्यय कहलाता है।  
 जैसे - मनुष्य से मनुष्यता आदि।